फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 228 प्रभात जयपुर, मंगलवार 19 मार्च, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Early Aricrafts 1903-1914 Smaller countries like Denmark, Norway and even far away Japan, all wanted an aircraft of their own and experimented with all kinds of aircraft techniques.

Protein That Makes Us Feel Cold The GluK2 gene has relatives across the evolutionary tree, going all the way back to single-cell bacteria.

अशोक गहलोत, पूर्व मु.मंत्री आधा घंटे मुकुल वासनिक से मिन्नत करते रहे कांग्रेस-हनुमान बेनीवाल गठबंधन करवाने के लिये

वासनिक भारी तनाव में हैं, एक तरफ पार्टी के सभी दिग्गज, बेनीवाल से गठबंधन के खिलाफ एकजुट हैं, दूसरी तरफ हैं पुराने ''मित्र'' गहलोत, जो गठबंधन कराने को कटिबद्ध हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। अशोक गहलोत इन दिनों बेहद हताश और उतावले हैं। कल राहुल गांधी की न्याय यात्रा के समापन अवसर पर मुम्बई में इण्डिया गठबंधन की मेगा रैली आयोजित की गई, लेकिन राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री आधे घंटे से अधिक समय तक मुकुल वासनिक के साथ रहे और उनसे अनुरोध करते रहे कि नागौर की एकमात्र सीट के लिए हनुमान बेनीवाल की पार्टी के साथ किसी गठबंधन पर सहमत हुआ जाए।

गहलोत, बेनीवाल की पार्टी के अलावा किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। स्मरण रहे कि पिछले चुनाव के दौरान हरीश चौधरी ने एक बयान दिया था कि हनुमान बेनीवाल अशोक गहलोत की बी टीम है।

यह बात कई चुनावों में बार-बार सही साबित हुई है।

समझा जाता है और कांग्रेस के कई सीनियर नेता भी इस बात का समर्थन करते हैं कि अशोक गहलोत ने कई चुनावों में कांग्रेस के उन अवांछित प्रत्याशियों को हरवाने में बेनीवाल का उपयोग किया है, जिन्हें वह स्वयं हरवाना चाहते थे। वह जोधपुर के जाट वोट प्राप्त करने के लिए भी बेनीवाल का इस्तेमाल करते हैं।

- पिछले चुनाव में हरीश चौधरी ने खुला आरोप लगाया था कि, हनुमान बेनीवाल गहलोत की ''बी'' टीम हैं, जिसका उपयोग वे कांग्रेस के ही उन उम्मीदवारों को हराने के लिए उपयोग करते हैं, जो गहलोत को माफिक नहीं आ रहे होते हैं।
- इसके अलावा बेनीवाल जोधपुर में गहलोत को जाट वोट दिलाने में भारी मददगार होते हैं।
- आज वैभव गहलोत अपनी टीम के बीस-तीस लोगों को लेकर जालौर-सिरोही से प्लेन द्वारा चेन्नई पहुंचे।
- अशोक गहलोत भी मुम्बई से चेन्नई पहुंचे, जहां वो जालौर-सिरोही के व्यापारियों से मिले, उनको अपने ही गांव में वैभव को वोट दिलवाने के लिये तैयार करने।
- कल ऐसी ही मीटिंग बैंगलोर में और परसों हैदराबाद में आयोजित की गई।

ज्ञात हुआ है कि अशोक गहलोत बेनीवाल को उपकृत करना चाहते हैं ताकि वह भविष्य में भी उनका उपयोग कर सकें।

पता चला है कि मुकुल वासनिक गहरे दबाव में हैं।

एक तरफ तो समूची कांग्रेस पार्टी बेनीवाल के साथ किसी प्रकार के गठबंधन के विरोध में हैं, वहीं बेनीवाल के पुराने एवं पक्के दोस्त उनके साथ गठबंधन के पक्ष में हैं क्योंकि गहलोत जब राजस्थान के प्रभारी थे तब बेनीवाल ने उनके लिए 9 साल तक काम किया था।

दिलचस्प यह है कि अशोक गहलोत आज अपने पुत्र वैभव गहलोत के साथ चेन्नई में हैं। यहां वे चुनाव प्रचार के लिए गए हैं। चेन्नई में निवासरत जालौर-सिरोही के प्रवासी राजस्थानियों की एक मीटिंग रखी गई है, ताकि इन्हें वैभव को वोट देने के लिए राजी किया जा सके। वैसे इन्हें भाजपा का वोटर माना जाता है। ऐसी ही एक मीटिंग कल

(शेष पृष्ठ 6 पर)

अडानी की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अडानी फर्म्स की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें राजस्थान स्टेट डिस्कॉम से विलम्ब

- अडानी की कम्पनी ने सुप्रीम कोर्ट में राजस्थान स्टेट विद्युत वितरण निगम की कम्पनियों से 1300 करोड़ रू. के सरचार्ज की मांग करते हुए याचिका दायर की थी।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

चुनाव आयोग ने कई शीर्ष अफसर बदले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। चुनाव आयोग ने सोमवार को एक आदेश जारी

- चुनाव आयोग ने बी.एम.सी. के कमिश्नर व प. बंगाल के पुलिस प्रमुख सहित, यू.पी., बिहार, गुजरात, झारखंड, हिमाचल और उत्तराखंड के गृह सचिव बदल दिए।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

इलैक्टोरल बॉण्ड का युद्ध सुप्रीम कोर्ट में और उग्र हुआ

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। सुप्रीम कोर्ट में एक घमासान संघर्ष चल रहा है। सरकार ने इलैक्टोरल बॉण्ड्स मामले में अपनी और बखिया उधड़ने से रोकने और चीफ जस्टिस का काबू में रखने को लेकर अपने दिग्गज वकील उतारे, लेकिन चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ अपनी बात पर कायम हैं।

चीफ जस्टिस ने स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (एस.बी.आई.) के चेयरमैन से कहा कि वह 21 मार्च की सायं 5 बजे तक एक शपथ पत्र इस संदर्भ में प्रस्तुत करें कि अब इलैक्टोरल बॉण्ड्स संबंधी कोई भी जानकारी उसने छिपाई नहीं है।

कोर्ट ने एस.बी.आई. से कहा कि वह इलैक्टोरल बॉण्ड्स के यूनीक नम्बर्स सहित सभी संबंधित जानकारी सुप्रीम कोर्ट को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

विपक्ष का मानना है कि, इससे दानदाता और प्राप्तकर्ता के बीच के लिंक का पता चलेगा, जिससे इस हाथ दे, उस हाथ ले का संबंध साबित हो सकेगा।

विपक्ष का यह भी मानना है कि, इलैक्टोरल बॉण्ड्स घोटाला यह बताता है कि सरकार किस तरह से दोनों हाथों से धन बटोरती रही है और सबसे बड़ी लाभार्थी है क्योंकि उसने कम्पनियों को फण्ड्स देने के लिए बाध्य किया है।

मजेदार बात यह है कि कोर्ट में सुनवाई के दौरान यह बताया गया कि इस केस से संबंधित बहुत सी जानकारी सोशल मीडिया पर आ गई है जिससे सरकार का मीडिया ट्रायल शुरु हो गया है। सरकार की तरफ से कोर्ट से अनुरोध किया गया कि वह इसे रोकने के लिए कोई दिशा-निर्देश दे।

इस पर चन्द्रचूड़ ने कहा सरकार में काफी ताकत है वह इसे सहन कर लेगी।

- मुख्य न्यायाधीश ने एस.बी.आई. के अध्यक्ष को आदेश दिया कि, 21 मार्च को शपथ-पत्र दें कि, एस.बी.आई. ने इलैक्टोरल बॉण्ड के बारे में उनके पास उपलब्ध सारी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दे दी है
- विपक्ष का मानना है कि, सारी जानकारी मिलने से वे आसानी से साबित कर देंगे कि, कैसे उद्योगपतियों के हाथ मोड़ कर सरकार ने उनसे राशि प्राप्त की है इलैक्टोरल बॉण्ड के जरिये।
- मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने सरकार की यह अपील भी खारिज की कि, सोशल मीडिया में बहुत कुछ लिखा जा रहा है, इलैक्टोरल बॉण्ड प्रकरण पर, अतः सुप्रीम कोर्ट इस गतिविधि पर लोक लगाये।
- मु. न्यायाधीश ने कटाक्ष भी किया कि, कंधे बहुत चौड़े हैं, वे सोशल मीडिया के तीखी खबरों को आसानी से झेल सकते हैं।
- मु. न्यायाधीश के अनुसार, निर्णय सुनाये जाने के बाद वह सार्वजनिक सम्पत्ति हो जाता है, अतः उस पर बहस करना व टिप्पणी करना सबका अधिकार है।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

मु.मंत्री भजन लाल भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल हुए

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा ली गई बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे

जयपुर, 18 मार्च (का.सं.)। लोकसभा चुनावों के लिए, राजस्थान में बची 10 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा शीघ्र होंने की संभावना है।

- बैठक में राजस्थान की शेष 10 लोकसभा सीटों के प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद भाजपा नेतृत्व प्रत्याशियों की अगली लिस्ट जारी कर सकता है।
- बैठक में राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष सी.पी. जोशी भी शामिल हुए।

सोमवार को दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक

(शेष पृष्ठ 6 पर)

मु. मंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.पी. जोशी एवं अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में भाजपा सैंट्रल इलैक्शन कमेटी की बैठक में शामिल हुये।

हिमाचल के बागी विधायकों को सुप्रीम कोर्ट का झटका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के स्पीकर द्वारा कांग्रेस के छह विधायकों को पद से अयोग्य ठहराने के निर्णय पर स्टे देने से सोमवार को इन्कार कर दिया, इससे उक्त सभी विधायकों को झटका लगा है।

शीर्ष अदालत ने इन सभी विधायकों को वोट देने की अनुमति नहीं दी है तथा उन्हें सदन की गतिविधियों में भाग लेने से भी रोक दिया गया है।

- सुप्रीम कोर्ट ने इन विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के स्पीकर के निर्णय पर स्टे लगाने से इन्कार कर दिया।

कांग्रेस के इन पूर्व विधायकों ने हिमाचल विधानसभा के स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया के निर्णय के विरूद्ध एक याचिका दायर की थी। कांग्रेस के इन विद्रोही विधायकों ने गत 27 फरवरी को हुए राज्यसभा चुनावों में भाजपा के हर्ष महाजन के पक्ष में वोट डाले थे। बाद में इन्होंने पार्टी व्हिप का भी उल्लंघन किया और ये बजट को लेकर हुई वोटिंग में भी अनुपस्थिति रहे।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

जालोर के पूर्व विधायक कांग्रेस के रामलाल मेघवाल सहित 29 नेता भाजपा में शामिल हुए

जयपुर, 18 मार्च (का.सं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीतियों से प्रभावित होकर उनके नेतृत्व में अंत्योदय के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का संकल्प लेते हुए आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न राजनैतिक दलों से आए पूर्व विधायक, विधायक प्रत्याशी, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्यों के साथ सरपंच और तीन दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। इस अवसर पर जालौर के पूर्व विधायक और दलित नेता रामलाल मेघवाल, देवली-उनियारा से आर.एल.पी. प्रत्याशी रहे डॉ. विक्रम सिंह गुर्जर, एस.सी. प्रकोष्ठ जालौर के जिलाध्यक्ष गोकुल परिहार, जालौर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री रमेश मेघवाल, समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व सदस्या भावना सैनी और फैशन डिज़ाइनर अर्चना सुराणा सहित अन्य लोगों को मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराई।

- इनमें देवली-उनियारा से आर.एल.पी. के प्रत्याशी रहे डॉ. विक्रम सिंह गुर्जर प्रमुख हैं। कांग्रेस के, जालोर के दो प्रमुख नेता गोकुल परिहार व रमेश मेघवाल भी भाजपा में शामिल हुए।
- समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व सदस्य भावना सैनी और फैशन डिज़ाइनर अर्चना सुराणा ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जॉइनिंग कमेटी के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी का एक ही नारा है, ''अबकी बार 400 पार''। पी.एम. मोदी के 10 वर्षों के सुशासन में आम आदमी का जीवन सरल हुआ है। समाज में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए सैंकड़ो लोक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके साथ ही, प्रदेश की भजनलाल सरकार ने महज तीन महिने में प्रदेश में अपने संकल्प पत्र को पूरा करने के लिए ऐतिहासिक कार्य किये हैं, जबकि, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व आज नशे में है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष यात्रा कर रहे हैं, उन्हें पार्टी के भीतर क्या हो रहा है इसका मालूम नहीं है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, श्रवण सिंह बगड़ी और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद थे।